



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 548]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 18, 1989/अश्विन 26, 1911

No. 548]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 18, 1989/ASVINA 26, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल भूतल परिवहन मन्त्रालय

(पत्तन पक्ष)

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1989

अधिसूचना

आदेश

(क) सभित नाम और प्रारम्भ —

(i) यह आदेश टूटीकोरिन पोर्टे पायलटेज और अन्य सेवाएँ
(शुल्क) आदेश 1989 कह जायगा।

(ii) यह इसके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगा।

(ख) परिभाषाएँ —

(i) "पत्तन" से अभिप्राय टूटीकोरिन पोर्टे के जोन क से है।

(ii) 'तटीय जहाज' से अभिप्राय वह जहाज या स्टीमर है जो यात्रियों
अथवा माल को भारत में किसी पत्तन अथवा स्थान से भारत में किसी
अन्य पत्तन अथवा स्थान अथवा स्थान तक समुद्र के रास्ते लाने से
जाने के काम में लगा हो।

(iii) "त्रिदेशी जहाज" से अभिप्राय उन जहाजों अथवा स्टीमर
हैं जो भारत में किसी पत्तन अथवा स्थान से बीच तथा
भारत से बाहर के पत्तनों अथवा स्थानों के बीच व्यापार
कार्य में लगा हो।

सा. का. नि. 906(अ) —केंद्रीय सरकार, भारतीय पत्तन
अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 35 की उपधारा
द्वारा प्रदत्त-शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिनांक 12-10-1984
को भारत सरकार, नौवहन और परिवहन मन्त्रालय की अधिसूचना
सं. सा. का. नि. 718 (अ) में प्रकाशित टूटीकोरिन पोर्टे
के पायलटेज और अन्य सेवाएँ (शुल्क) आदेश 1984 तथा
दिनांक 4 मई, 1988 को भारत सरकार जल भूतल परिवहन
मन्त्रालय की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 550(अ) के माध्यम
प्रकाशित टूटीकोरिन पायलटेज अन्य और सेवाएँ (शुल्क) आदेश 1988
के संशोधनों का अधिकरण करने हुए, एतद्वारा टूटीकोरिन पोर्टे में
पायलटेज और अन्य सेवाओं के लिए शुल्क की वसूली को विनियमित करने
के लिए निम्नलिखित आदेश देती है, अर्थात्—

(ग) पायलट, मूरिंग अथवा अनुमूर्गिग आदि के लिए शुल्क

1. बन्दरगाह के अन्दर या बाहर जहाजों के पायलटिंग के लिए लेवी किए जाने वाला शुल्क जिसमें पतन के पायलटों की सेवाएँ और कर्मी दल के साथ टगी और लांचों की सेवाएँ शामिल हैं, नीचे की अनुसूची में निर्दिष्ट दरों पर होगा :-

अनुसूची

जहाजों का वर्गीकरण	यूनिट	देय शुल्क
(i) 3000 जी आर टी तक	प्रति जी आर टी	1.20 रु.
(ii) 3001 से 10,000 आर टी तक	प्रति जी आर टी	4.20 रु.
(iii) 10,901 से 15000 आर टी तक	प्रति जी आर टी	3.90 रु.
(iv) 15001 जी आर टी और अधिक	प्रति जी आर टी	3.20 रु.

2. विदेशी जहाजों में पायलटिंग शुल्क उपरोक्त अनुसूची में निर्धारित दरों पर वसूली जाएगी।

सटीय जहाजों से ऊपर निर्धारित दरों के 70 तक पायलटिंग शुल्क वसूला जाएगा।

3. बन्दरगाह के बाहर जहाज के मूरिंग जब यह वहाँ प्रवेश नहीं करता या वहाँ से नहीं जाता, के लिए उपरोक्त अनुसूची के तहत देय के 25 प्रतिशत के बराबर शुल्क वसूला जाएगा जो न्यूनतम 3200 रु. होगा।

4. जिन पायलटों की सेवाएँ मांगी गई हैं किन्तु जिसका उपयोग नहीं किया गया है, इसलिए निम्नलिखित शुल्क वसूला जाएगा, अर्थातः

	देय शुल्क	
	विदेशी जहाज रु.	सटीय जहाज रु.
1	2	3
पायलट के जहाज पर चढ़ने के बाद जिन पायलटों की सेवाएँ मांगी गई हैं किन्तु जिनका उपयोग नहीं किया गया है।	850	570

टिप्पणी:

- (i) ऊपर निर्दिष्ट दरों पर न सिर्फ जहाजों के इनबार्ड और आउटबार्ड पायलटिंग के लिए मांग पत्र रद्द करने में मामलों में शुल्क वसूला जाएगा बल्कि हवी लिफ्टों स्थिति या किसी कारण से जहाजों के बर्थ से हटाने या रिमूरिंग या बर्थों में जहाज को मोड़ने या उसी बर्थ में जहाज को फिर से मूरिंग के लिए मांग पत्र रद्द किया जाता है।

(ii) इन मामलों में उपरोक्त शुल्कों को लेवी नहीं होगी :-

(क) पायलट की विशुक्ति / जहाज पर चढ़ने के समय से कम से कम एक घंटा पहले प्राप्त रद्द करने की सूचना और

(ख) जहाज के दोष रहित होने पर अपवाद स्वयं परिस्थितियों में रद्द करना।

5. विशेष शुल्क (डिटेनशन शुल्क)

पहले घंटे या एक घंटे के भीतर के लिए तटीय जहाज से 570 रु और विदेशी जहाज से 850 रु का शुल्क वसूला जाएगा क्योंकि किसी पायलट को ऐसे जहाज पर चढ़ने के बाद टूटीकोरिन पोर्ट पर 30 मिनट के बाद जहाज पर प्रतीक्षारत रखा जाता है। बाद के ऐसे प्रत्येक घंटे या उसके अंश के लिए सटीय जहाज से 190 रु. और विदेशी जहाज से 290 रु. की दर से डिटेनशन शुल्क वसूला जाएगा।

6. पायलट के आने के रोज के लिए शुल्क

अपरिहार्य कारणों से पायलट को लिए हुए जहाज का पतन सीमा से बाहर ले जाने की दशा में मास्टर को अगले नजदीकी पतन पर पायलट को छोड़ना पड़ेगा और मास्टर मालिक या उसका प्रतिनिधि उसकी वापसी और उसमें जुड़ी सभी औपचारिकताओं के लिए जिम्मेदार होगा और उसे भोजन आवास और अन्य उचित खर्चों का भुगतान करना होगा तथा इस प्रकार से जाएँ गए पायलट को वापस भेजना होगा। इसके अलावा पायलट के पतन पर वापस आने के बाद रिपोर्ट करने तक मास्टर को प्रति घंटा 100.00 रुपए की दर से मुआवजा देना होगा।

[फा. स. गो. आर. 14012/8/89पीजी]

योगेन्द्र नारायण, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports-Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th October, 1989

G.S.R. No 906(E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 35 of the Indian ports Act, 1908 (15 of 1908) and in supersession of the Port of Tuticorin Pilotage and Other Services (Fees) Order 1984 published in the notification of the Government of India, Ministry of Shipping and Transport No GSR 718 (E) dated 12th October, 1984, and the Amendments to Port of Tuticorin Pilotage and other Services (Fees) Order, 1988 published with the notification of the Government of India, Ministry of Surface of Transport No. G S R 550 (E) dated 4th May, 1988, the Central Government hereby makes the following order for regulating the levy of fees for pilotage and other services in the port of Tuticorin namely:—

ORDER

(a) Short title and commencement:— (i) This order may be called the Port of Tuticorin Pilotage and other services (Fees) order 1989

(ii) It shall come into force from the date of publication

(b) Definitions: (i) 'Port' means Zone-A of the Port of Tuticorin,

(ii) 'Coasting vessel' means a ship or a steamer which is engaged in the carriage by sea of passengers or goods from any port or place in India to any other port or place in India.

(iii) 'Foreign Vessel' means a ship or steamer employed in trading between any port or place in India and other Port or place or between ports or places outside India.

(c) Fees for pilotage, Mooring or Unmooring etc., 1. The fees leviable for piloting vessels in and out of the Harbour which includes services of the Port's Pilots and the services of the tugs and launches with the crew shall be at the rates specified as schedule below:

SCHEDULE

Classifications of the Vessels	Unit	Charges payable
(i) Up to 3,000 GRT	per GRT	Rs. 4.20
(ii) 3001 to 10,000 GRT	per GRT	Rs. 4.20
(iii) 10,001 to 15,000 GRT	per GRT	Rs. 3.90
(iv) 15,001 GRT and above	per GRT	Rs. 3.20

2. The foreign vessel shall be charged pilotage charges at the rates specified in the schedule above.

The Coasting vessel shall be charged pilotage charges at 70 per cent of the rates specified above.

3. For mooring a vessel outside the harbour, when it does not enter or leave it, a fee equal to 25% of the charges payable under the above schedule shall be levied subject to a minimum of Rs. 3,200/-.

4. In the case of pilots whose services have been requisitioned but not utilised, the following charges shall be levied namely:—

	Charges payable	
	Foreign vessel	Coastal Vessel
	(1)	(2)
Pilots whose services have been requisitioned but not utilised after the pilot has boarded a vessel.	Rs. 850/-	Rs. 570/-

NOTE (i) The charges at the rates specified above shall be levied not only in cases of cancellation of requisitions for inward and outward pilotage of vessels but also for the cancellation of requisitions for shifting of berth of vessels and re-mooring or for turning a vessel around in her berth or for re-mooring a vessel in the same berth due to position of heavy lifts or for any reason.

(ii) The above charges are not leviable in case of:

(a) Cancellations received at least one hour before the pilots appointed boarding time of the vessel and

(b) Cancellations caused under exceptional circumstances for reason that could not be attributed to the vessels' faults.

5. Special charges (Detention Fees) A fee of Rs. 570 in respect of coasting vessel and Rs. 850 in respect of foreign vessel shall be levied for first hour or part of an hour that a pilot is kept waiting on board any vessel at the port of Tuticorin beyond 30 minute after boarding such vessel. The detention fee for every subsequent hour or part thereof shall be levied at the rate of Rs. 190 in respect of coasting vessel and Rs. 290 in respect of foreign vessel.

6. Fees for on carriage of pilot:—In the event of a vessel carrying a pilot outside the port limits for unavoidable reasons the Master shall be bound to leave the pilot at the next nearest port and the Master, owner or his representative shall be responsible for the repatriation and all connected formalities thereof and be also able to pay all expenses incurred in the matter of boarding, lodging other reasonable expenses and the repatriation of the pilot thus overcarried. In addition, compensation at the rate of Rs. 100 per hour shall be payable by the master of the vessel till the Pilot reports back to duty at the Port.

[File No. PR-14012/8/89-PG]

YOGENDRA NARAIN, Jt. Secy.

